

---

# Shrikrishna Bhajana Ashtakam

---

## श्रीकृष्णभजनाष्टकम्

---

### Document Information

---

Text title : Shrikrishna Bhajana Ashtakam

File name : shrIkRRiShNabhajanAShTakam.itx

Category : vishhnu, pradIptakumArananda, krishna, aShTaka

Location : doc\_vishhnu

Author : (Copyright) Pradipta Kumar Nanda, Kendrapara, Orisa pknanda65 at gmail.com

Acknowledge-Permission: (Copyright) Pradipta Kumar Nanda

Latest update : September 7, 2020

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 28, 2020

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीकृष्णभजनाष्टकम्



कंसदलनमुक्तिमिलनभुक्तिभवनकाशितं  
दुष्टशकटराहुकपटकालियशठशासितम् ।  
दानवमधुकैटभमुरदारुणवकनाशितं  
कृष्णचरणपङ्कजसुखदीप्तभजनभासितम् ॥ १ ॥

ब्रह्माकिरणमुग्धवदनमङ्गलमयवीक्षणं  
सान्द्रललितकुञ्जनिकटकेलितरलकारणम् ।  
धर्मविनतकर्मनिरतभोगानिकरधारितं  
कृष्णचरणपङ्कजसुखदीप्तभजनभासितम् ॥ २ ॥

पूर्णपुरुषयोगजनकभोगसकलधारकं  
दुस्तरभवपारकपटुनाविकहरिनामकम् ।  
दुर्जनमुखमर्दनगुणवर्द्धनदरदारितं  
कृष्णचरणपङ्कजसुखदीप्तभजनभासितम् ॥ ३ ॥

वैभवसुखसागरतटशुद्धसलिलशीतलं  
स्मितरुचिरफुल्लकमलवेणुनिनदकोमलम् ।  
मन्दमलयचन्दनमुखनन्दितशुभवन्दितं  
कृष्णचरणपङ्कजसुखदीप्तभजनभासितम् ॥ ४ ॥

शान्तसरलभक्तविधुरमाधवमधुसूदनं  
देवमदनमोहन-अपवर्गविभवधारिणम् ।  
गोपयुवतिवल्लभचिरसुन्दरतरलायितं  
कृष्णचरणपङ्कजसुखदीप्तभजनभासितम् ॥ ५ ॥


वल्लवललनासुखमुखचुम्बनरतिविह्वलं  
चारुहसनपीतवसनमोहनशशिमण्डलम् ।  
वन्यकुसुमनम्रसुषमसज्जितदमधारितं  
कृष्णचरणपङ्कजसुखदीप्तभजनभासितम् ॥ ६ ॥

प्रेमखचितकुञ्जसदनकेलिकुतुकनर्तनं  
यामुनतटमण्डलनटपाटवजलखेलनम् ।  
लुब्धललितरासकलितकुङ्कुममृदुवासितं  
कृष्णचरणपङ्कजसुखदीप्तभजनभासितम् ॥ ७ ॥


प्रेमकरुणमूर्तितरुणपूर्तिसकलकारकं  
भक्तनयनचित्रितनवनाटकनटनायकम् ।  
दारुपुरुषनेत्रवलयसर्वभुवनभूषितं  
कृष्णचरणपङ्कजसुखदीप्तभजनभासितम् ॥ ८ ॥

इति नन्दप्रदीप्तकुमारविरचितं श्रीकृष्णभजनाष्टकं सम्पूर्णम् ।

---

——  
*Shrikrishna Bhajana Ashtakam*

pdf was typeset on December 28, 2020

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

